दैनिक दबंग दुनिया
www.dabangdunia.co
इंदौर, शनिवार, 18 मार्च 2017

इंदौर ग्रुप एनसीसी के मार्गदर्शन में साइबर चैलेंजेस एंड सिक्युरिटी विषय पर कार्यशाला

'तकनीक का इस्तेमाल लाभ के लिए करें'

दबंग रिपोर्टर ✡ इंदौर

इंदौर ग्रुप एनसीसी के मार्गदर्शन में 2 एमपी आर एंड वी स्क्वाड्रन महू के 10 दिनी कैंप में साइबर चैलेंजेस एंड सिक्युरिटी विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। शहर और उज्जैन संभाग की एनसीसी की 10 बटालियन के 300 कैडेट शामिल हुए। यह ब्लैक रिबिन इनिशिएटिव के तहत साइबर जागरूकता अभियान की 198वीं कार्यशाला थी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वरुण कपूर ने बताया आज पूरा विश्व मोबाइल, इंटरनेट के जरिए एक हो गया है। सभी कार्यों में इंटरनेट का उपयोग सामान्य बात है, वहीं सबसे तेज गति से बढ़ने वाला अपराध भी, साइबर अपराध है। आपके और आपके डिवाइस के बीच अपराध होने की संभावना बढ़ गई है। इसी प्रकार डिजिटल फुटप्रिंट, एटीएम फ्रॉड, कॉल स्पूफिंग, फिशिंग, फाइनेंशियल फ्रॉड, साइबर स्टॉकिंग और साइबर से जुड़े अपराधों के बारे में जानकारी दी गई।

दूसरों को नुकसान न पहुंचाएं

आधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल सुरक्षित ढंग से करते हुए उसका इस्तेमाल अपने लाभ के लिए करें, न कि दूसरों को नुकसान पहुंचाने में। साथ ही यह भी बताया कि युवा सोच समझकर फेसबुक पर दोस्त बनाएं। व्यक्तिगत जानकारी कम से कम शेयर करें। इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस का उपयोग करते समय हमेशा अपने मस्तिष्क में सुरक्षा की बातों को बनाए रखें। साइबर दुनिया के मायाजाल में काल्पनिक चीजों के पीछे भागने की अपेक्षा मेहनत कर अपनी मंजिल प्राप्त करें।

रोजगार के साथ देश सेवा भी

मोबाइल-इंटरनेट का उपयोग करते समय कई प्रलोभनों के मैसेज आते हैं, जिनसे बचना चाहिए क्योंकि बगैर किसी कार्य के आपको कोई भी कुछ भी निशुल्क नहीं देगा। साइबर अपराधों को नियंत्रित करने और इसके दुष्प्रभावों से बचने का सशक्त माध्यम है युवाओं, छात्रों और आम नागरिकों की जागरूकता। अब समय आ गया है, जब छात्र साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कॅरियर बनाएं। आने वाले दिनों में यह रोजगार का एक अत्यंत विस्तृत क्षेत्र होगा। छात्र साइबर लॉ के क्षेत्र में, अनुसंधान के क्षेत्र में प्रशिक्षण लेकर अपने लिए सुरक्षित रोजगार तो प्राप्त कर ही सकते हैं, देश सेवा का कार्य भी कर सकते हैं। इस मौके पर आइटी एक्ट और इसकी विभिन्न धाराओं की जानकारी भी दी गई। शिविर कर्नल रावसाहेब पंवार, यूनिट कमांडर और कर्नल सुरेंद्र भट्ट के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। संचालन लेफ्टिनेंट नम्रता सावंत ने किया। कैडेट कुलदीप कोठारे और माला मोर्या को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। आभार मेजर अर्चना जैन ने माना।